बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

जनवरी, 2022

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची | पेज नं.

(A)	अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण	01
(B)	कोविड–19 संक्रमण से बचाव एवं घर में ही आइसोलेशन के दौरान की सावधानियां तथा मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (MSSP) विषय पर फोकल शिक्षकों का ऑनलाइन संवेदीकरण कार्यक्रम	03
(C)	कोविड–19 संक्रमण से बचाव एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम विषय पर ऑनलाइन संवेदीकरण	04
(D)	कोविड-19 संक्रमण से बचाव एवं डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम विषय पर ऑनलाइन संवेदीकरण	07
(E)	सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से वर्ष 2022 में आयोजित कार्यक्रमों पर परिचर्चा हेतु ऑनलाइन बैठक	09
(F)	जीविका दीदियों एवं पदाधिकारियों का कोविड–19 संक्रमण एवं शीतलहर से बचाव विषय पर ऑनलाइन संवेदीकरण	10
(G)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा	12
(H)	बहु–आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण	13
(I)	पंचायतीराज कर्मियों का संवेदीकरण	14
(J)	पंचायतीराज विभाग के DPRC को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं रणनीति पर विचार–विमर्श के लिए बैठक	15
(K)	M/s Anshul Snacks and Beverages Pvt. Ltd. में ब्यॉलर फटने की घटना के आलोक में माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, प्रधान बैंच, दिल्ली द्वारा बनाए गये संयुक्त समिति का ऑनलाइन मीटिंग	17
(L)	वर्ष 2022–23 में NIDM प्रायोजित टी0 ओ0 टी0 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रस्ताव	19
(M)	NDMA और BSDMA द्वारा संयुक्त रूप से Heat Wave पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन	20
(N)	Bihar State Disaster Resource Network की Review मीटिंग	21

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

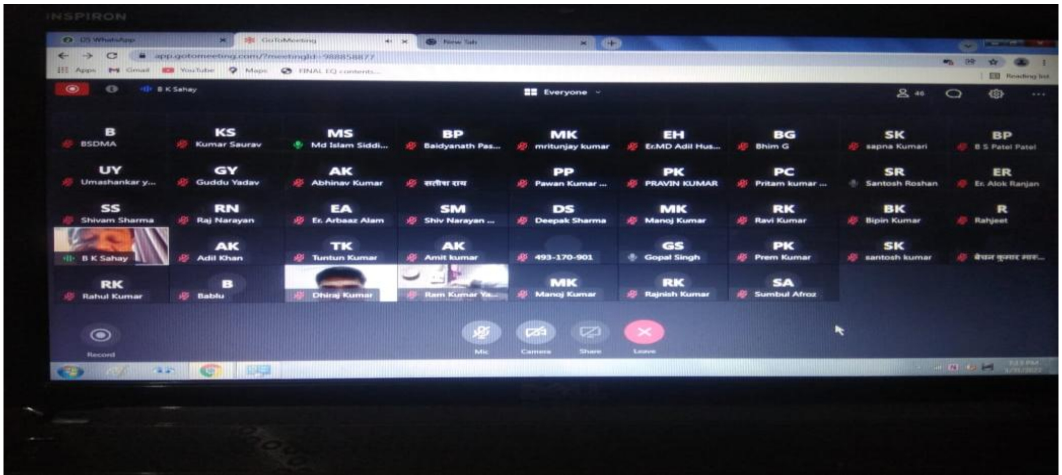

31 जनवरी 2022 को दरभंगा जिला के प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों के साथ Goto Meeting App के माध्यम से रिफ्रेशर कोर्स।

मासिक प्रतिवेदन (जनवरी, 2022)

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण

दिनांक 31 जनवरी 2022 तक राज्य के सभी (38) जिलों के साथ–साथ भूकम्पीय जोन V के 8 जिलों (किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मधुबनी एवं सीतामढ़ी) में से दरभंगा एवं मधुबनी को छोड़ बाकी के 6 जिलों में भूकम्परोधी भवन निर्माण तकनीक पर अनुभवी राजमिस्त्रियों के सात दिवसीय प्रशिक्षण का दूसरे बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ।

इस प्रकार दिनांक 31 जनवरी 2022 तक कुल 18,905 अनुभवी राजमिस्त्रियों एवं 38 जिलों के (मुख्यालय सहित) कुल 2676 असैनिक अभियंताओं का 'भूकम्परोधी भवन निर्माण एवं रेट्रोफिटिंग तकनीक' विषय पर सम्पन्न हुआ।

राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित महत्वपूर्ण सरकारी भवनों का R.V.S. (Rapid Visual Screening) कराने के संबंध में कार्य योजना हेतु आई.आई.टी., पटना, बिहटा एवं एन.आई.टी. पटना एवं अन्य विशेषज्ञों के सहयोग से प्रारूप बनाने की तैयारी की जा रही है।

राजमिस्त्रियों के अगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में दिए जाने वाले टूल किट से संबंधित सामग्रियों का GeM Portal के माध्यम से क्रय किए जा रहे हैं।

1. NIT Raipur के द्वारा Shake Table निर्माण कार्य प्रगति पर है।

2. राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन के सहयोग से राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण मॉड्यूल को बेहतर बनाने की कार्य योजना पर विचार–विमर्श जारी है।

3. दिनांक 14 जनवरी 2022 को राजमिस्त्रियों के अभियंता प्रशिक्षकों के साथ एवं दिनांक 22 जनवरी 2022 को सीतामढ़ी एवं दिनांकः 31 जनवरी 2022 को दरभंगा के प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों के साथ Goto Meeting App के माध्यम से रिफ्रेशर कोर्स कराया गया जिसमें क्रमशः 44, 75 एवं 60 प्रतिभागियों की उपस्थिति रही।

4. राजकीय पोलिटेकनिक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकम्प सुरक्षा क्लीनिक सह परामर्श केन्द्र के निर्माण से सम्बन्धित कार्य किए जा रहे हैं।

5. बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र से सम्बन्धित केन्द्रीय संग्रहण स्टेशन भवन से संबंधित कार्य किए जा रहे हैं।

6. बिहार भूकम्प आपदा प्रबंधन मार्गदर्शिका के संबंध में गठित ड्राफ्टिंग कमिटी के सदस्यों एवं अन्य विशेषज्ञों के मंतव्य प्राप्त करने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

(B) कोविड–19 संक्रमण से बचाव एवं घर में ही आइसोलेशन के दौरान की सावधानियां तथा मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (MSSP) विषय पर फोकल शिक्षकों का ऑनलाइन संवेदीकरण कार्यक्रम

राज्य के विद्यालयों में स्कूली छात्रों/शिक्षकों की विभिन्न आपदाओं से सुरक्षा हेतु MSSP कार्यक्रम चलाया जा रहा है, मगर कोविड–19 की वजह से इस कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न हुआ है। इसके कारण Face to Face प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ करना संभव नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में वैश्विक महामारी कोविड–19 के मद्देनजर सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम विद्यालयों में भी नहीं चलाये जा रहे हैं। इस वैश्विक महामारी को ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण द्वारा निर्णय लिया गया कि राज्य के सभी सरकारी, निजी, मदरसा, संस्कृत, कस्तुरबा गांधी आदि विद्यालयों के फोकल शिक्षकों को ऑनलाइन माध्यम से संवेदित किया जाय।

ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण में मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर के फोकल शिक्षकों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। 25 जनवरी 2022 को आयोजित इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में विशेषज्ञों द्वारा कोविड से संबंधित प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों के सवालों का जबाव दिया गया। जनवरी माह में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण निम्न है।

क्र.सं	दिनांक	जिला	समय	प्रतिभागी
1	25.01.2022	मुजफ्फरपुर	11:30AM 01:00PM	216
2		समस्तीपुर	02:30PM 04:00PM	276

(C) कोविड–19 संक्रमण से बचाव एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम विषय पर ऑनलाइन संवेदीकरण

कोविड–19 संक्रमण से बचने के उपाय एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए एन0सी0सी0 एवं उड़ान, पटना के सहयोग से जनवरी 2022 में 20 जिलों के एन0सी0सी0 Volunteers का ऑनलाइन संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रतिभागियों को कोविड–19 वायरस में लगातार हो रहे उत्परिवर्तन (Mutation) के बारे में जानकारी दी गयी। अब तक यह अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा और वर्तमान ओमिक्रोन वैरिएन्ट के रूप में सामने आ चुके हैं। प्रस्तुतीकरण के दौरान कोविड–19 संक्रमण की रोकथाम के उपायों यथा सामाजिक दूरी बनाए रखना, भीड़–भाड़ वाली जगहों में न जाना, हाथों को बार–बार साबुन से धोना, घर से बाहर जाते समय हमेशा मास्क का उपयोग करना कोविड–19 का टीका लगवाना आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी।

कोविड–19 वायरस श्वसन प्रणाली को प्रभावित करता है इसलिए जिन व्यक्तियों को श्वसन प्रणाली से संबंधित बीमारी या हृदय रोग संबंधी समस्या है या अन्य कोई गंभीर बीमारी है तो उन्हें विशेषरूप से इस संक्रमण से से बचने का सुझाव दिया गया। वृद्ध, बच्चों, बीमार एवं जो कोविड का टीका नहीं लिया है उन्हें विशेष सावधानी बरतने का सुझाव दिया गया। परिवार के अन्य सदस्यों को आवश्यतानुसार उनकी देख–रेख की भी सलाह दी गई।

प्रतिभागियों को शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के जानकारी दी गयी। उन्हें प्रतिदिन योग, प्राणायाम करने एवं अपनी दिनचर्या में व्यक्तिगत स्वच्छता के विभिन्न आयामों को आत्मसात करने का सलाह दिया गया।

तत्पश्चात प्रतिभागियों को सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों यथा तीव्र गति से वाहन नहीं चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग नहीं करना, लहरिया कट वाहन नहीं चलाना, थके हुए ड्राइवर द्वारा वाहन चलाने एवं अन्य सड़क तथा वाहन से संबंधित तकनीकी खराबी आदि के बारे में जानकारी दी गयी।

सड़क सुरक्षा के 4 Pillors यथा Education (शिक्षा), Engineering (अभियांत्रिकी), Enforcement (प्रवर्त्तन) और Emergency Care (आपातकालीन देखभाल) के बारे में संवेदीकरण किया गया। सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम के उपायों (क्या करें, क्या नही करें) के बारे में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी गयी।

सड़क सुरक्षा के आवश्यक नियमों जैसे–कम उम्र के बालक/बालिकाओं को वाहन न चलाना, वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना, दाहिने–बायें एवं सामने देखकर सड़क पार करना, तीव्र गति से वाहन न चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल एवं इयर फोन का उपयोग न करना आदि के बारे में संवेदीकरण किया गया।

सड़क सुरक्षा के लिए वैधानिक सचेतक चिन्हों, सड़क के किनारे लगे माइल स्टोन एवं सड़कों पर बनाई गई पीली, सफेद तथा ब्रोकन, लाइनों/पट्टियों के बारे में भी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। देश के स्तर पर राज्य में एक सितम्बर 2019 से लागू नये मोटर वाहन एक्ट एवं संशोधित जुर्माने/दंड की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को अस्पताल पूर्व चिकित्सा की जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी गयी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को दुर्घटनास्थल पर बरती जाने वाली सावधानियों एवं अन्य सामान्य नियमों के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें रक्तश्राव को रोकने हड्डी टूटने के स्थिति में घायल व्यक्ति की सहायता के तरीके, दम घुटने जैसी स्थिति में प्राथमिक उपचार के तरीकों एवं सी0पी0आर0 आदि के बारे में संवेदीकरण किया गया।

ऑनलाइन संवेदीकरण कार्यक्रम और प्रतिभागियों की उपस्थिति सहित जिलों का विवरण इस प्रकार हैः–

क्र0 सं0	जिला का नाम	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, शिवहर, सीतामढ़ी, मोतीहारी, बेतिया, सिवान, गोपालगंज, छपरा, वैशाली	13.01.2022	160
2.	गया, कैमूर, औरंगाबाद,जहानाबाद, बक्सर, आरा, नालंदा, सासाराम, नवादा	27.01.2022	150
कुल संख्या			**310**

(D) कोविड–19 संक्रमण से बचाव एवं डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम विषय पर ऑनलाइन संवेदीकरण

कोविड–19 वायरस में लगातार हो रहे उत्परिवर्तन (Mutation) के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। अब तक यह अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा और वर्तमान ओमिक्रोन वैरिएन्ट के रूप में सामने आ चुका है। जनवरी 2022 में आयोजित विभिन्न ऑनलाइन संवेदीकरण कार्यक्रमों में कोविड–19 संक्रमण की रोकथाम के उपायों यथा समाजिक दूरी बनाए रखना, भीड़–भाड़ वाली जगहों में न जाना, हाथों को बार–बार साबुन से धोना मास्क पहनकर ही घर से बाहर निकलना कोविड–19 का टीका लगवाना आदि की विस्तार से जानकारी दी गयी।

कोविड–19 वायरस श्वसन प्रणाली को प्रभावित करता है, इसलिए जिसे सांस संबंधित बीमारी या हृदय रोग की समस्या है अथवा अन्य कोई गंभीर बीमारी हैं, उन्हें इस संक्रमण से विशेषरूप से बचने का सुझाव दिया गया। वृद्ध, बच्चे बीमार एवं जो कोविड का टीका नहीं लिया है, उन्हें विशेष सावधानी बरतने का सुझाव दिया गया। परिवार के अन्य सदस्यों को आवश्यतानुसार उनकी देख–रेख की भी सलाह दी गई।

प्रतिभागियों को शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विभिन्न उपायों की जानकारी से अवगत कराया गया। प्रतिदिन योग, प्रणायाम करने का सुझाव दिया गया एवं अपनी दिनचर्या में व्यक्तिगत स्वच्छता के विभिन्न आयामों को आत्मसात करने का सुझाव दिया गया।

राज्य में प्रत्येक वर्ष नदियों, तालाबों, नहरों आदि में डूबने की घटनाएं होती हैं। इन घटनाओं में बड़ी अधिक संख्या में लोगों की मौत होती है। इसमे बच्चे एवं किशोरों की संख्या

अधिक होती है। प्रायः ऐसा देखा गया है कि ऐसी घटनाएं लापरवाही एवं असावधानी के कारण होती है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा माह जनवरी 2022 में 12 जिलों के समुदाय के सभी वर्गों के साथ–साथ स्थानीय प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधियों एवं अन्य हितभागियों को संवेदित किया गया। विशेषज्ञों द्वारा डूबने से होने वाली मौतों के कारणों, बचाव के उपायों, डूबते हुये व्यक्ति को बचाने के तरीकों आदि के बारे में वार्ता एवं प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम हेतु समुदाय एवं अभिभावकों के बीच सुरक्षा के उपायों का प्रचार–प्रसार जैसे– बच्चों को खतरनाक गड्ढों/स्थलों के पास नहीं जाने देना, बच्चों को पूल/पूलिया आदि से पानी में कूदकर स्नान न करने देना, तैरना नही जानने की स्थिति में नदियों, तलाबों एवं घाटों के किनारे नही जाना, डूबते हुये व्यक्ति को धोती, साड़ी, रस्सी एवं बांस की सहायता से बचाने आदि के बारे में जानकारी दी गयी।

संवेदीकरण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को डूबने से होनी वाली मौतों की रोकथाम के संबंध में जिला प्रशासन से खतरनाक घाटों की पहचान कर मनाही का चिन्ह लगाने और विशेषकर बच्चों को वहाँ न जाने हेतु अपील जारी करने का सुझाव दिया गया।

तदोपरान्त, जीवन रक्षा तकनीक, डूबते हुये व्यक्ति को बचाने के तरीके एवं प्राथमिक उपचार की विधियों के बारे में वीडियो डिमॉन्सट्रेशन के माध्यम से संवेदीकरण किया गया। पानी में चलकर बचाव के तरीके डूबते हुए व्यक्ति को पानी में तैरकर बचाव के तरीके डूबते हुए व्यक्ति को पानी से निकालते समय बरती जाने वाली सावधानियां डूबे हुए व्यक्ति के पेट से पानी निकालने की विधि, घरेलू संसाधनों से डूबने से बचाव के लिए राफ्ट बनाने आदि की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को डूबने से बचाव के उपरांत प्राथमिक उपचार की विभिन्न विधियों से अवगत कराया गया।

ऑनलाइन संवेदीकरण कार्यक्रम का ब्यौरा इस प्रकार हैः–

क्र0सं0	जिला का नाम	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	समस्तीपुर, खगड़िया, मुजफ्फरपु	13/01/2022	120
2.	जहानाबाद, मधेपुरा, मधुबनी	20/01/2022	60
3	पूर्वी चम्पारण, सारण, पटना	20/01/2022	80
4	मुंगेर, रोहतास, अरवल	27/01/2022	80
कुल संख्या			**340**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(E) सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से वर्ष 2022 में आयोजित कार्यक्रमों पर परिचर्चा हेतु ऑनलाइन बैठक

बिहारा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष, श्री नरेन्द्र कुमार सिंह, विंग कमाण्डर की अध्यक्षता में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से वर्ष 2022 में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों/गतिविधियों पर परिचर्चा के लिए ऑनलाईन बैठक हुई। दिनांक 24.01.2022 को आयोजित इस बैठक में परिवहन विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, पथ निर्माण विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, शिक्षा विभाग, गृह विभाग (पुलिस) एवं अन्य विभागों/संस्थाओं के पदाधिकारी/प्रतिनिधी शामिल हुए। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रतिभागियों द्वारा निम्नलिखित बिन्दुओं पर गहन चर्चा हुई।

1. संबंधित विभागों/हितधारकों के प्रयास की आवश्यकता
2. जन–जागरूकता एवं क्षमतावर्द्धधन
3. वाहन चालकों की दक्षता में वृद्धि की आवश्यकता
4. हेलमेट के उपयोग को बढ़ाना एवं दो पहिया वाहनों में स्पीड गवरनर्स लगाया जाना।
5. Black Spot Rectification
6. Good Samaritan Law and Trauma Centre
7. मेडिकल फर्स्ट रिस्पांडर का प्रशिक्षण
8. एन0सी0सी0/एन0एस0एस0 वॉलेंटियर्स के बीच जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन
9. सड़क सुरक्षा विषय पर लघु विडियो फिल्म तैयार करना

(F) जीविका दीदियों एवं पदाधिकारियों का कोविड–19 संक्रमण एवं शीतलहर से बचाव विषय पर ऑनलाइन संवेदीकरण

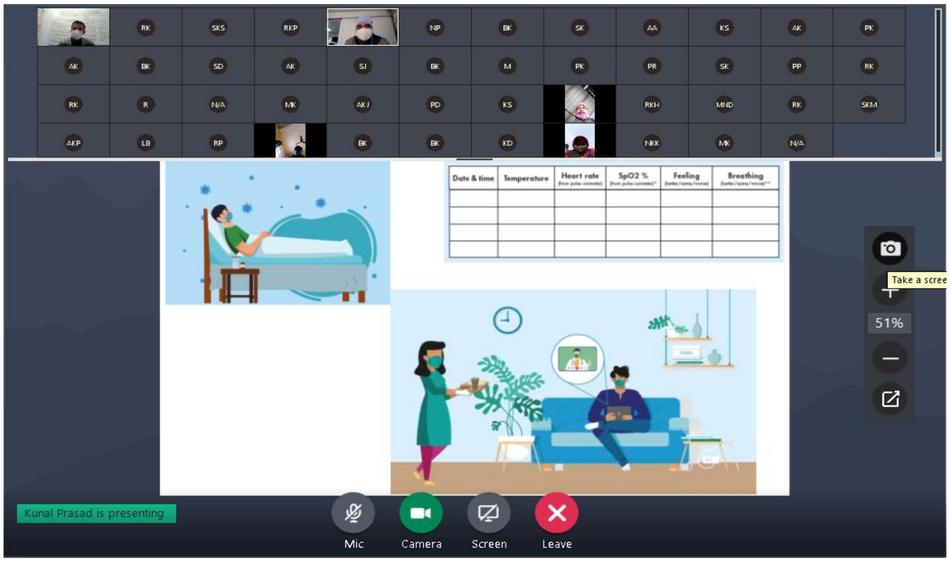

प्राधिकरण के द्वारा जिलावार "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषयक प्रशिक्षण के अन्तर्गत जीविका दीदियों एवं पदाधिकारियों को कोविड–19 संक्रमण से बचाव एवं घर में ही आइसोलेशन के दौरान सावधानियां और शीतलहर से बचाव विषय पर ऑनलाइन संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस ऑनलाइन संवेदीकरण कार्यक्रम में जिला एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक, क्षेत्रीय समन्वयक एवं सामुदायिक समन्वयक एवं दीदियों की भागीदारी हुई। कार्यक्रम में कोविड महामारी से बचाव एवं घर में आइसोलेशन के दौरान बरतने वाली सावधानियां तथा शीतलहर से बचाव के बारे में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी गई। कोविड से संबंधित प्रश्नोत्तरी सत्र में एम्स, पटना के डॉक्टर द्वारा कोविड से संक्रमित व्यक्तियों के साथ अन्य प्रतिभागियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर दिया गया। इस वेबिनार कार्यक्रम के पाँच बैचों में 295 प्रतिभागियों ने भाग लिया गया। जो इस प्रकार है:–

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

क्र0 सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	17.01.2022	सहरसा, सुपौल सीतामढ़ी, शिवहर	80
2	17.01.2022	पूर्वी चम्पारण, मधेपुरा, दरभंगा	53
3	24.01.2022	मधुबनी, सारण, सिवान	65
4	24.01.2022	पटना, नालन्दा	35
5	31.01.2022	समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, किशनगंज एवं कटिहार	62
		कुल	**295**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(G) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत'16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर जनवरी माह में राज्य के कुल 329 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 95 सरकारी एवं 234 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:–

गाह जनवरी 2022 में अस्पतालों/नर्सिंग होमस(के भवनों में फायर ऑडिट का ऑकड़ा।

क्र०सं०	जिला का नाम	कोविड अस्पताल			नन कोविड अस्पताल		
		रारकारी	निजी अरपताल	कुल	रारकारी	निजी अस्पताल	कुल
1	पटना	0	0	0	0	34	34
2	नालंदा	0	0	0	11	5	16
3	रोहतारा	3	0	3	0	8	8
4	भभुआ	0	0	0	0	0	0
5	भोजपुर	1	0	1	3	5	8
6	बक्सर	1	0	1	1	2	3
7	गया	0	0	0	0	0	0
8	जहानाबाद	0	0	0	0	0	0
9	अरवल	1	0	1	0	4	4
10	नवादा	0	0	0	0	0	0
11	औरंगाबाद	0	0	0	0	4	4
12	छपरा	0	0	0	0	0	0
13	सिवान	2	0	2	19	38	57
14	गोपालगंज	0	0	0	0	0	0
15	मुजफ्फरपुर	0	0	0	0	9	9
16	सीतामढ़ी	0	0	0	0	0	0
17	शिवहर	0	0	0	0	0	0
18	बेतिया	0	0	0	0	0	0
19	बगहा	0	0	0	0	1	1
20	मोतिहारी	1	0	1	13	20	33
21	वैशाली	3	0	3	0	0	0
22	दरभंगा	0	1	1	0	3	3
23	मधुबनी	0	0	0	1	13	14
24	समस्तीपुर	0	0	0	0	4	4
25	सहरसा	0	0	0	0	0	0
26	सुपौल	9	4	13	2	8	10
27	मधेपुरा	0	0	0	0	0	0
28	पूर्णिया	1	5	6	4	1	5
29	अररिया	0	0	0	2	1	3
30	किशनगंज	0	0	0	0	1	1
31	कटिहार	0	0	0	0	4	4
32	भागलपुर	4	1	5	2	18	20
33	नवगछिया	0	0	0	0	0	0
34	बाँका	3	4	7	0	2	2
35	मुंगेर	0	0	0	0	1	1
36	लखीसराय	0	0	0	0	3	3
37	शेखपुरा	1	0	1	5	23	28
38	जमुई	0	0	0	0	4	4
39	खगड़िया	1	0	1	1	1	2
40	बेगुसराय	0	0	0	0	2	2
कुल योग		31	15	46	64	219	283

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 3,860 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

(H) बहु–आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण

बिहार बहु–आपदा प्रवण राज्य है। फलतः हमारे गाँवों पंचायतों, प्रखण्डों एवं जिलों में विभिन्न प्रकार की आपदाएं आती रहती हैं। पंचायतों में कुछ नौजवान यदि आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन का ज्ञान और हुनर सीख लें तो वे अपने गांव, पंचायत, प्रखंड एवं जिले को आपदाओं से सुरक्षित रख सकते हैं। इस उद्देश्य से राज्य के सभी पंचायतों में 10–10 उत्साही नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओं के प्रत्युत्तर हेतु तैयार कर रहा है ताकि आपदाओं में वे अपने समुदाय के लिए मददगार साबित हो सकें। प्रशिक्षण में उन्हें अपने गाँव, पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर पर होने वाली आपदाओं की जानकारी दी जाती है ताकि वे आपदाओं में जोखिम–न्यूनीकरण तथा प्रबंधन का कार्य कर सकें। दिनांक 03.01.2022 से 15.01.2022 तक मुजफ्फरपुर के 44 स्वयसेवकों को 12 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें कोविड–19 के दृष्टिगत सामाजिक दूरी का पालन करते हुये 22–22 की संख्या में दो क्लासों में प्रशिक्षित किया गया। जनवरी माह तक पूर्णिया एवं मुजफ्फरपुर जिले के कुल 244 स्वयसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(I) पंचायतीराज कर्मियों का संवेदीकरण

राज्य के विद्यालयों और स्कूली छात्रों/शिक्षकों की विभिन्न आपदाओं से सुरक्षा हेतु MSSP कार्यक्रम चलाया जा रहा है, मगर कोरोना संक्रमण के कारण इस कार्यक्रम में अवरोध उत्पन्न हो रहा है। इसके कारण Face to Face प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन नहीं हो रहा है। इस संबंध में 28.01.2022 को बेविनार के माध्यम से पटना और भोजपुर जिलों के पंचायती राज कर्मियों का अभिमुखीकरण किया गया।

(J) पंचायतीराज विभाग के DPRC को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं रणनीति पर विचार–विमर्श के लिए बैठक

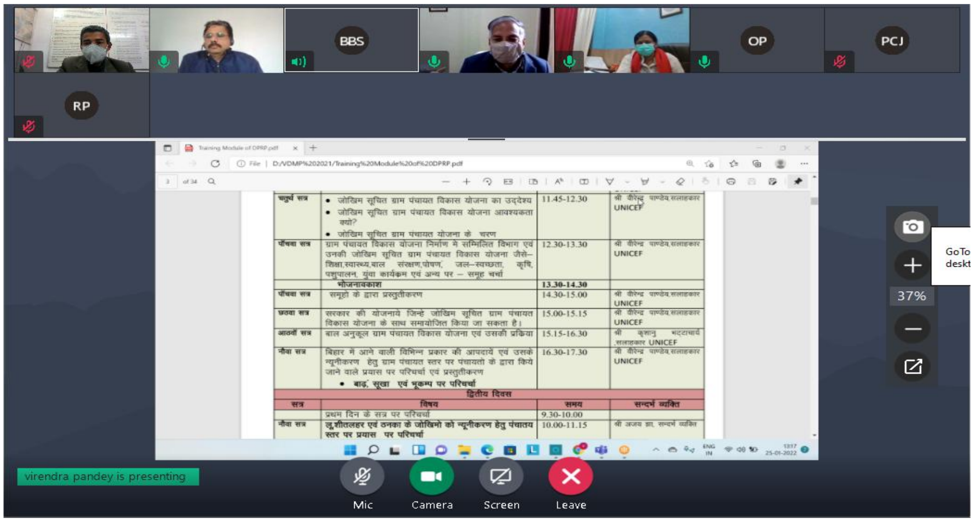

निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से सभी DPRC को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षित DPRC के माध्यम से पंचायती राज विभाग के द्वारा आयोजित प्रखण्ड स्तरीय प्रशिक्षण में आपदा प्रबंधन संबंधी जानकारी सभी जनप्रतिनिधियों को दिया जा सके। कार्यक्रम के संबंध में दिनांक 07 एवं 25 जनवरी 2022 को प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष एवं सदस्य की अध्यक्षता में मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं रणनीति पर चर्चा हेतु ऑनलाईन "गो टू मीटिंग" प्लेटफार्म के माध्यम से बैठक आहूत की गयी। बैठक में निर्णय लिया गया कि निम्नलिखित विषयवस्तु को प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया जाय :–

- जलवायु परिवर्तन के कारण फसल चक्र पर प्रभाव
- जल–जीवन–हरियाली एवं पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे
- कोविड महामारी से बचाव एवं सावधानियां के साथ पंचायत की भूमिका
- पंचायतों में सभी विकास कार्यों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण को शामिल करना जिससे कि सभी विकास कार्यों का निर्माण आपदारोधी हो
- ग्रामीण क्षेत्रों की अग्नि से सुरक्षा
- भूकम्प से सुरक्षा
- आपदा सहायय मानदर की जानकारी

- अधिक प्रभावकारी अपदाएं जैसे कि डूबने, सड़क दुर्घटना एवं वज्रपात जिससे अधिक मृत्यु होती है, को कैसे न्यून किया जाय
- प्राधिकरण के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों में उनकी भूमिका
- ग्राम आपदा प्रबंधन योजना के निर्माण में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका
- आपदा प्रबंधन संबंधी कार्यों में पंचायत प्रतिनिधियों के दायित्वों, अधिकारों से संबंधित प्रावधानों की जानकारी
- ग्राम पंचायत विकास योजना में आपदा जोखिम न्यूनीकरण शामिल करना

(K) M/s Anshul Snacks and Beverages Pvt. Ltd. में ब्यॉलर फटने की घटना के आलोक में माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, प्रधान बैंच, दिल्ली द्वारा बनाए गये संयुक्त समिति का ऑनलाइन मीटिंग

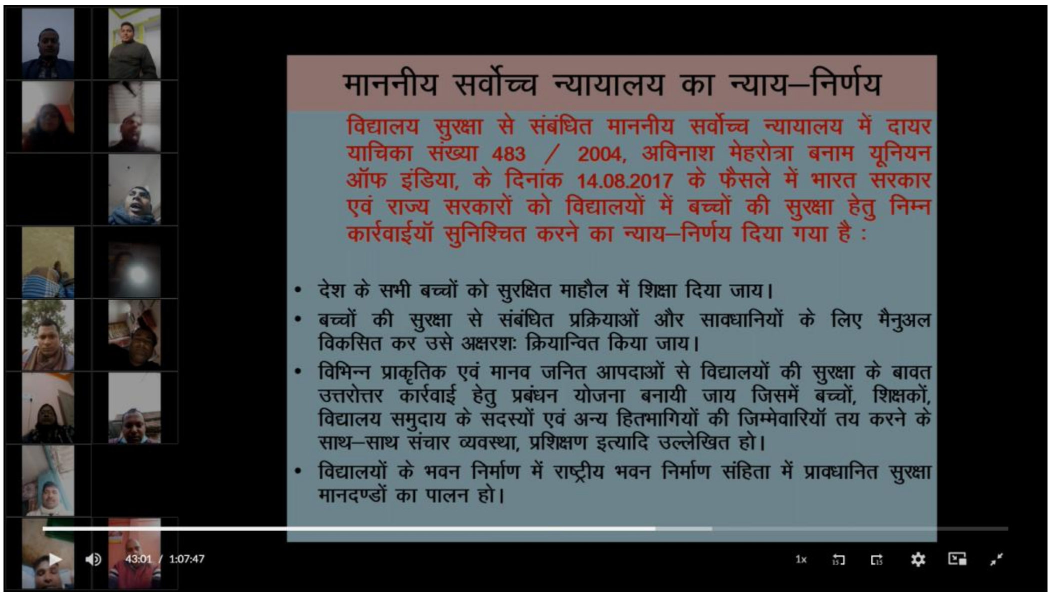

M/s Anshul Snacks and Beverages Pvt. Ltd. में ब्यॉलर फटने की घटना के आलोक में माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, प्रधान बैंच, दिल्ली द्वारा गठित संयुक्त समिति का ऑनलाइन मीटिंग 24 जनवरी 2022 को हुई। बैठक का आयोजन बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद द्वारा किया गया। मीटिंग में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जयंत रौशन, परियोजना पदाधिकारी शामिल हुए। मीटिंग में घटना के विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। इस संबंध में दिनांक 02.02.2022 को संयुक्त समिति द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करने का निर्णय लिया गया। इसके पूर्व माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, प्रधान बैंच, दिल्ली द्वारा 'इंडिया टुडे' में दिनांक 26.12.2021 को प्रकाशित खबर–बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के नुडल्स फैक्ट्री में ब्यॉलर फटने से सात लोगों की मौत की खबर पर संज्ञान लिया। दिनांक 11.01.2022 को सुनवाई के दौरान अंतरिम आदेश पारित करते हुए दुर्घटना के कारण, व्यक्तियों एवं पर्यावरण की हुई क्षति, पीड़ित व्यक्तियों एवं परिवार को क्षतिपूर्ति भुगतान की स्थिति, पर्यावरण मापदण्डों के अनुपालन तथा सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति का स्थल जाँच और ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय हेतु संस्थाओं के छः संयुक्त समिति का गठन किया गया है। माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने संयुक्त समिति को आदेश में उल्लेखित बिन्दुओं पर जाँच कर दो महीने के अन्दर एन.जी.टी. के न्यायिक ई0 मेल

ngt@gov.in पर प्रतिवेदन दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस आलोक में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा जयंत रौशन, परियोजना पदाधिकारी को नामित किया गया। गठित संयुक्त समिति इस प्रकार हैं।

1. पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, राँची के एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, राँची
2. केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली
3. बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, पटना
4. जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर, जिला–मुजफ्फरपुर
5. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, बिहार
6. निदेशक, उद्योग विभाग, बिहार

(L) वर्ष 2022–23 में NIDM प्रायोजित टी0 ओ0 टी0 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रस्ताव

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान NIDM, नई दिल्ली और बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से वर्ष 2022–23 में पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया। इसके अनुमोदन के लिए प्राधिकरण से प्रस्ताव NIDM को भेजा जा रहा है ताकि NIDM निम्न पांच प्रशिक्षण कार्यक्रमों को BSDMA के सहयोग से बिहार में अंकित तिथि के अनुसार संपन्न कराने में उचित तकनीकी सहयोग प्रदान करे।

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1.	Cultural Heritage and Risk Mitigation and Management	25–29, अप्रैल, 2022
2.	School DM Plan and Safety	18–22 जुलाई, 2022
3.	Post Disaster Damage and Needs Assessment (PDNA)	12–16 सितंबर, 2022
4.	IRS-Basic & Intermediate Course	19–23 दिसंबर, 2022
5.	Building Resilience to Local Disasters in Communities	20–24 फरवरी, 2023

(M) NDMA और BSDMA द्वारा संयुक्त रूप से Heat Wave पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

Heat wave पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 09–10 फरवरी, 2022 को पटना में आयोजित करने का प्रस्ताव है, यह राज्य के लिए गर्व की बात है। इसी बीच कोरोना ओमीक्रोन के बढ़ते संक्रमण के कारण माननीय उपाध्यक्ष महोदय के निदेशानुसार इसके स्थगन का निर्णय NDMA को प्रेषित किया।

कोरोना की लहर शांत पड़ने पर NDMA के साथ समन्वय कर कार्यक्रम की अगली तिथि निर्धारित किया जायेगा। दिनांक 09 फरवरी, 2022 को ऑनलाइन मोड में आयोजित करने के लिए का NDMA का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है, इसके लिए प्राधिकरण से सहमति मांगी गई है। समय की कमी के कारण सर्वसम्मति से इस कार्यक्रम को 15 फरवरी, 2022 के बाद करने का प्रस्ताव भेज दिया गया है।

(N) Bihar State Disaster Resource Network की Review मीटिंग

आपदाओं से निपटने के लिए मानव बल के साथ साथ विभिन्न प्रकार के उपकरणों की आवश्यकता होती है। यदि समय पर उपकरणों की जानकारी मिले तो आपदा से बचाव त्वरित होगा। इससे जान माल की क्षति कम होगी। इसके लिए राज्य सरकार और प्राधिकरण के स्तर पर BSDRN पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर मिले उपकरणों समेत बचाव के विभिन्न सामग्रियों की जानकारी इस प्रकार है।

BSDRN पोर्टल पर जनवरी, 2022 तक 38,306 के मानव बल समेत अन्य उपकरण से संबंधित आंकड़े उपलब्ध हुए।

खोज एवं बचाव उपकरण :–	4989
कुशल जनशक्ति :–	12353
परिवहन :–	2269
खाद्य और जल जलस्त्रोत :–	5156
सुरक्षा और आश्रयः–	8959
आपातकालीन आपूर्ति और सेवाएं :–	4580
कुल संख्या :–	38,306

इसके अतिरिक्त आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कामकाज की जानकारी के लिए विभिन्न सोशल मिडिया प्लेटफार्म पर कार्यक्रमों, संदेशों समेत आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न जानकारियां प्रकाशित की गयी।

बिहार राज्य आपदा संसाधन नेटर्वक (BSDRN) की समीक्षाः–

राज्य में BSDRN पोर्टल पर सभी जिलों द्वारा संसाधनों की इलेक्ट्रानिक इन्वेंटरी तैयार की जा रही है ताकि आपदाओं के दौरान संसाधनों की उपलब्धता की जानकारी आसानी से प्राप्त हो सके। संसाधन कहां उपलब्ध है तथा उसे कैसे प्राप्त किया जाए संबंधी संपर्क फोन नम्बर इत्यादि की विवरणी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त होती है।

भविष्य में कोरोना प्रोटोकाल के तहत ऑनलाइन समीक्षा बैठक करने का निर्णय लिया गया। इस संदर्भ में विभिन्न जिलों को पत्र प्रेषित किया गया है, ताकि सभी 38 जिलों की समीक्षा से संबंधित आपदा प्रभारी के साथ पोर्टल अद्यतन करने हेतु उन्हें उचित निदेश दिया जा सके।

बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (CCDRR) प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली, के सहयोग से दिनांक 17–21 जनवरी, 2022 तक प्रस्तावित था, परन्तु कोविड–19 महामारी के कारण इसे NIDM ने अगले आदेश तक स्थगित किया है। इस कार्यक्रम का आयोजन निकट भविष्य में करने हेतु NIDM से उचित संवाद जारी है।